परमेश्वर अपने इनाम कैसे देंगे और किन मानदंडों के आधार पर
(भाग 3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

शलोम! यह लेखों की एक श्रृंखला का तीसरा भाग है, जिसमें बताया गया है कि परमेश्वर अपने लोगों को कैसे पुरस्कृत करेंगे और वे अपने राज्य में किस आधार पर प्रवेश देंगे। यदि आपने पिछले भाग नहीं पढ़े हैं, तो कृपया मुझे संदेश भेजें, मैं आपको उनके सारांश भेज दूंगा।

3) बाइबल हमें बताती है कि कुछ लोग बिना यह जाने कि क्यों, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश पाएंगे।

यह आश्चर्यजनक है कि एक ऐसा समूह होगा जिसे हमारे प्रभु यीशु मसीह के राज्य में अनुग्रह से प्रवेश मिलेगा, जबकि वे स्वयं उस कारण से अनजान रहेंगे — जब तक कि मसीह उस दिन उन्हें इसका कारण न बताएं।

हम इस समूह का उल्लेख इस पद में पाते हैं:

मत्ती 25:31-46 (ERV हिंदी):
“जब मानव पुत्र अपने गौरव में आएगा, और अपने सभी देवदूतों के साथ, तब वह अपने गौरव के सिंहासन पर बैठेगा।
और सारी जातियाँ उसके सामने इकट्ठी होंगी, और वह उन्हें भेड़ों की तरह अलग करेगा, जैसे एक चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है।
और वह भेड़ों को अपने दाहिने हाथ पर रखेगा, और बकरियों को

परमेश्वर अपने इनाम कैसे देंगे और किन मानदंडों के आधार पर
(भाग 3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बाएँ हाथ पर।
तब राजा अपने दाहिने हाथ वालों से कहेगा, ‘मेरे पिता द्वारा धन्य हो, आओ, उस राज्य को प्राप्त करो जो संसार की शुरुआत से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है।
क्योंकि मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाना दिया; मैं प्यासा था, और तुमने मुझे पानी दिया; मैं एक अजनबी था, और तुमने मुझे अपनाया;
मैं नंगा था, और तुमने मुझे कपड़े पहने; मैं बीमार था, और तुमने मेरी देखभाल की; मैं जेल में था, और तुम मेरे पास आए। तब धर्मी लोग उत्तर देंगे और कहेंगे, ‘प्रभु, हमने कब तुम्हें भूखा देखा और खाना दिया? या प्यासा देखा और पानी दिया?
हमने कब तुम्हें अजनबी देखा और अपनाया? या नंगा देखा और कपड़े पहने?
हमने कब तुम्हें बीमार या जेल में देखा और तुम्हारी सेवा की?’
और राजा उन्हें उत्तर देगा, ‘मैं तुमसे सच कहता हूँ, जैसा तुमने मेरे सबसे छोटे भाइयों में से किसी एक के लिए किया, वैसा ही तुमने मेरे लिए किया।’
फिर वह अपने बाएँ हाथ वालों से कहेगा, ‘मेरे पास से दूर हो जाओ, शापित लोगों, उस आग में जो शैतान और उसके देवदूतों के लिए तैयार की गई है।
क्योंकि मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाना नहीं दिया; प्यासा था, और तुमने मुझे पानी नहीं दिया;
मैं अजनबी था, और तुमने मुझे अपनाया नहीं; नंगा था, और तुमने मुझे कपड़े नहीं पहने; मैं बीमार और जेल में था, और तुमने मेरी देखभाल नहीं की।

परमेश्वर अपने इनाम कैसे देंगे और किन मानदंडों के आधार पर
(भाग 3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

तब वे भी उत्तर देंगे, ‘प्रभु, हमने कब तुम्हें भूखा या प्यासा देखा? या अजनबी, या नंगा, या बीमार, या जेल में देखा और तुम्हारी सेवा नहीं की?’
और वह कहेगा, ‘मैं तुमसे सच कहता हूँ, जैसा तुमने इन सबसे
छोटे में से किसी के लिए नहीं किया, वैसा तुमने मेरे लिए
नहीं किया।’
और वे सदैव की सज़ा को जाएंगे, लेकिन धर्मी सदैव के जीवन
को।”

यह समूह वे सेवक हैं जो यहाँ पृथ्वी पर थे, और यह नहीं जानते थे कि वे मसीह की सेवा कर रहे हैं। बात सामान्य गरीबों, अनाथों या अन्य लोगों की नहीं हो रही, बल्कि उन धर्मी लोगों की है, जो परमेश्वर की सेवा के कारण अभाव, बीमारी, भूख, कपड़ों की कमी या बेघरपन से गुज़रे। कुछ लोगों ने उनकी मदद की, बिना यह जाने कि वे वास्तव में मसीह की सेवा कर रहे हैं।

उस दिन ये विश्वास वाले सेवक मसीह के सामने खड़े होंगे, और वे अनुग्रह के आधार पर उसके राज्य में प्रवेश पाएंगे। यह लूका 16:1-12 में बताए गए असत्य प्रबंधक के उदाहरण जैसा है।

प्रभु पौलुस ने एक व्यक्ति, ओनेसिफोरस के लिए दया मांगी, जिसने उन्हें सेवा के दौरान बहुत मदद दी:

परमेश्वर अपने इनाम कैसे देंगे और किन मानदंडों के आधार पर
(भाग 3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

2 तीमुथियुस 1:16-18 (ERV हिंदी):
“प्रभु ओनेसिफोरस के घरवालों को दया दें, क्योंकि उसने बार-
बार मुझे ताकत दी और मेरी बेड़ियों पर मुझे न छोड़ा;
जब वह रोम में था, उसने मुझे बहुत खोजा और मुझे पाया।
प्रभु उसे उस दिन अपने सामने दया दिखाए! और तुम जानते हो कि उसने इफिसुस में मेरी कितनी सेवा की।”

इसी तरह, कुछ लोग जो परमेश्वर को खोजते हैं, उनके लिए बोझ होते हैं। वे उनका उपहास करते हैं, उन्हें गाली देते हैं, भगा देते हैं। जब वे पानी मांगते हैं, तो उन्हें आलसी कहा जाता है। ऐसे सच्चे सेवक उनके लिए परेशानी हैं, और मसीह उन्हें ठुकराएगा।

हमें इससे क्या सीखना चाहिए? यदि हम कहते हैं कि हम मसीह से प्रेम करते हैं, तो हमें उनके प्रेमियों से भी प्रेम करना चाहिए। यदि तुम धर्मियों से नफ़रत करते हो, तो तुम मसीह से कैसे प्रेम कर सकते हो? ऐसे लोग हैं जिन्हें मसीह इस तरह स्वीकार करेगा, और ऐसे भी हैं जिन्हें वह इसलिए ठुकराएगा क्योंकि उन्होंने मसीह को दूसरों में स्वीकार नहीं किया।

शलोम।

परमेश्वर अपने इनाम कैसे देंगे और किन मानदंडों के आधार पर (भाग 3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp